रजिस्ट्रेशन S 37987/2000 नई दिल्ली

अखिल भारतीय विश्वकर्मा विराट संघ (पंजी) उत्तर प्रदेश इकाई

उत्तर प्रदेश कार्यालय- बी 5,पटेल नगर -II, गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) 201001

ईमेल: rajupanchal0123@gmail.com

राजू पांचाल	अमित विश्वकर्मा	जितेंद्र कुमार आर्य	सुनील पांचाल
प्रदेश अध्यक्ष	प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष	प्रदेश वरिष्ठ महामंत्री	प्रदेश कोषाध्यक्ष
9810594537	9457771666	9312834202	9910506058

पत्रांक सख्या- दिनांक

सेवा में,
माननीय नरेंद्र दामोदर मोदी जी
प्रधान मन्त्री भारत सरकार
नई दिल्ली

महोदय,

आप हमारे देश को कुशल शिल्पी के रुप मे मिले है आपने नौ वर्ष के कार्यकाल मे पूरे देश का विकास किया जिससे देश और दुनिया में भारत की प्रतिष्ठा भी बढी है । महोदय विश्वकर्मा समाज के बारे मे आपको अवगत करना चाहता हूं कि विश्वकर्मा समाज का दूसरा नाम शिल्पी होता है जिसमे केवल लुहार/ लोहार/ पांचाल, टाँक, जांगिड, जांगड़ा (बढई), सुथार, खाती, तरख़ान, सुनार, स्वर्णकार, ताम्रकार, धीमान, रामगढ़िया, टमटा यानि (मनु , मय, त्वष्टा, शिल्पी, देवज्ञ) ये सभी लोहा, लकड़ी , ताँबा, पीतल ,सोना चांदी, भवन निर्माता, मूर्तिकार आदि का कार्य करने वाले होते है इन सभी के खून में ही कारीगरी (इन्जीनियरिग) होती है आप केवल इनको ही विश्वकर्मा समाज की संज्ञा दे । किसी अन्य को विश्वकर्मा समाज मे जोडना विश्वकर्मा समाज का अपमान होगा । आपसे विनम्र निवेदन है कि निम्न लिखित बिदुओं पर संज्ञान लेकर विश्वकर्मा समाज के हित में निर्णय करें :-

1-राजस्थान एव मध्य प्रदेश की तर्ज पर उतर प्रदेश मे भी विश्वकर्मा बोर्ड का गठन कर केवल विश्वकर्मा समाज के सदस्यो को ही भागीदारी दे उत्तर प्रदेश की कुल जनसंख्या में विश्वकर्मा समाज की लगभग 10 प्रतिशत की भागीदारी है सभी भाजपा को सपोर्ट कर सरकार बनाने मे भागीदार रहते है ।

2-उतर प्रदेश के अयोध्या मे भव्य श्रीराम भगवान का मन्दिर का निर्माण हो रहा है जिसमे विश्वकर्मा भगवान जी की मूर्ति की स्थापना होनी चाहिए क्योकि बिना विश्वकर्मा भगवान के आशीर्वाद के भवन व मन्दिर का निर्माण असंभव है ।

3-हमारे विश्वकर्मा समाज की कुल उतर प्रदेश की जनसंख्या मे 10% की भागीदारी परन्तु सरकार मे केवल एक एम एल सी है श्रीमान हंसराज विश्वकर्मा।

4-हमारा विश्वकर्मा समाज पिछडे वर्ग से आता है परन्तु भाजपा सरकार ओर संगठन दोनो क्रम मे पिछड़ो की अधिकांश भागीदारी जाट, गुर्जर, यादव समाज दबंगई के रूप मे हासिल कर लेता है अगर कुछ हिस्सा बचता है तो उसको कश्यप, राजभर, निषाद, पाल, सैनी, प्रजापति, समाज को दे दिया जाता है हमारा समाज मेहनती ईमानदार साधारण रोजगार करने मे ही रह जाता है हमारा आपसे विनम्र निवेदन है आप हमारे समाज की भागीदारी 10% सुनिश्चित करने की कृपा करे ।

उपरोक्त सभी बिन्दुओ पर संज्ञान लेते हुए उचित निर्णय लें और विश्वकर्मा समाज को आगे बढाने मे सहयोग करे ।

सादर

(राजू पाँचाल)
प्रदेश अध्यक्ष
अखिल भारतीय विश्वकर्मा विराट संघ उत्तर प्रदेश